B.A part-I (H & Subsoe) Philosophy

S/o अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. न्याय दर्शन के अनुसार मनुष्य के भूत, वर्तमान एवं भविष्य के कर्मों का फल कैसे प्राप्त होता है?

Ans अदृष्ट द्वारा

2. न्याय के अनुसार चैतन्यता आत्मा का कैसा गुण है?

Ans. आगन्तुक

3. न्याय का आत्मा विचार किस दर्शन का विरोधी है?

Ans. जैन, सांख्य

4. नैयायिकों के अनुसार दुःख एवं सुख के पूर्णतः निरोध की अवस्था कौन सी है?

Ans. मोक्ष

5. नैयायिकों के अनुसार सांसारिक दुःखों या बन्धन का मूल कारण क्या है?

Ans. अज्ञान

6. मोक्ष पाने के लिए न्याय में किन-किन बातों पर जोर दिया है?

Ans. श्रवण, मनन, निदिध्यासन

7. न्याय-दर्शन में मोक्ष को क्या कहा गया है?

Ans. अपवर्ग

8. वैशेषिक दर्शन के प्रणेता इनमें कौन माने गये हैं?

Ans. महर्षि कणाद

9. वैशेषिक का दूसरा नाम क्या है?

Ans. औलुक्य-दर्शन

10. 'पदार्थ-धर्म संग्रह' के रचयिता कौन हैं?

Ans. प्रशस्तपाद

11. भारतीय दर्शन में वैशेषिक के सबसे निकट कौन दर्शन है?

Ans. न्याय दर्शन